## खास-खबरें

### वार्ड क्रमांक 11 में 25 लाख की लागत से बनेगा भव्य सामुदायिक भवन



**नईदुनिया, प्रतिनिधि, सीहोरः** शहर के वार्ड क्रमांक 11 में विगत 1 फरवरी 2026 रविदास जयंती से चली आ रही सामुदायिक भवन की मांग अब पूरी होने जा रही है। क्षेत्रीय विधायक सुदेश राय ने वार्डवासियों और समाज की सुविधा के लिए 25 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य की स्वीकृति प्रदान की है। इस बड़ी सौगात से क्षेत्रवासियों और समाजजनों में हर्ष की लहर है। स्वीकृति मिलने के उपरांत आज सीहोर जाटव समाज कल्याण संगठन के पदाधिकारियों एवं बड़ी संख्या में जाटव समाज के बंधुओं ने विधायक निवास पहुंचकर विधायक श्री सुदेश राय का पुष्पमालाओं से स्वागत किया और आभार व्यक्त किया। आभार व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से सीहोर जाटव समाज कल्याण संगठन के पदाधिकारी, वार्ड क्रमांक 11 के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में समाज के युवा और वरिष्ठजन उपस्थित रहे। संगठन अध्यक्ष मनोज फरेला, सन्नी जाटव, अभय अहिरवार, कमल किशोर जाटव, टीटू कचनेरियां, उमेश मंगरोलिया, नरेंद्र बनवइया, कपिल पुरबिया, राहुल कचनेरियां, शुभम कचनेरियां, नरेंद्र सिमोले, सतीश महोबिया, वीरू जाटव, जुगल किशोर, हेमेंद्र जिगने, बंटी कर्गइया, अंकित जाटव, अंकित मंगरोलिया, जितेन्द्र आर्य, रविंद्र मेचन, बहादुर जाटव, वीरेंद्र जाटव, हेमेंद्र भारती, भोला कचनेरियां, जित्तु मैकेनिक, नीरज भारती, मिथुन कचनारिया, भँवरलाल थरेले, रवि जाटव, सीहोर जाटव सीहोर जाटव समाज कल्याण संगठन सीहोर सचिव सन्नी जाटव बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

### अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी से परेशान युवती ने की आत्महत्या, तीन युवकों पर मामला दर्ज

**नईदुनिया, प्रतिनिधि, बरेलीः** थाना बरेली क्षेत्र के ग्राम कोटपार में 24 वर्षीय युवती द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवती को कुछ युवक कथित रूप से अश्लील वीडियो वायरल करने और परिजनों को दिखाने की धमकी देकर परेशान कर रहे थे। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम कोटपार निवासी भगवान दास धाकड़ की 24 वर्षीय बेटी ने रात में अपने घर में दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद युवती के पास से एक सुसाइड नोट मिलने की बात सामने आई है। इसमें तीन युवकों पर परेशान करने और अश्लील वीडियो उसके पिता व भाई को दिखाने की धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। सुसाइड नोट में शेखर, शिवम और रविंद्र के नाम लिखे होने की जानकारी मिली है। तीनों उदयपुरा क्षेत्र के ग्राम निवाड़ी के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना के बाद परिजनों ने थाना बरेली पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। इसकी रिपोर्ट आना शेष है।

### मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में विश्व मत्स्य दिवस पर हुआ 'एक्वा एक्सपो 2026' का आयोजन



**नईदुनिया, प्रतिनिधि, जबलपुरः** नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में 21 नवंबर को विश्व मत्स्य दिवस के अवसर पर 'एक्वा एक्सपो 2026' का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. मनदीप शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का विषय नवाचार, उद्यमिता और सतत मत्स्य विकास रहा। आयोजन भारत सरकार के मत्स्यपालन विभाग, राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (एनएफडीबी), प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम के साथ हुआ। मुख्य अतिथि जॉइंट डायरेक्टर गिरीश मेश्राम ने मत्स्यपालन विभाग की योजनाओं, अनुदान और मछली पालकों की आय बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि डॉ. सुनील नायक ने किसानों तक आधुनिक मत्स्य तकनीक पहुंचाने पर जोर दिया। अध्यक्षता महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके महाजन ने की।

### डीएनएलयू में प्रथम जस्टेक राष्ट्रीय सम्मेलन न्यायिक व्यवस्था में एआई के उपयोग पर मंथन

**नईदुनिया, प्रतिनिधि, जबलपुरः** धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (डीएनएलयू), जबलपुर द्वारा शनिवार को पीडीपीएम भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाइन एवं विनिर्माण संस्थान में प्रथम जस्टेक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन का विषय भारतीय परिप्रेक्ष्य में प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और न्याय तक पहुंच का अंतर्संबंध रहा। मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में तकनीक का उपयोग सावधानी से होना चाहिए। एआई न्याय व्यवस्था की दक्षता बढ़ा सकता है, लेकिन मानवीय तर्क, विवेक और जवाबदेही का स्थान नहीं ले सकता। उन्होंने कहा कि तकनीक न्यायाधीश की सहायक बने, विकल्प नहीं।

### देवउठनी ग्यारस पर खाटू श्याम मंदिर में उमड़ा आस्था का जनसैलाब



**नईदुनिया, प्रतिनिधि, सीहोरः** देवउठनी ग्यारस के पावन अवसर पर शुक्रवार को सीहोर स्थित प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। बाबा श्याम के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ रही। हजारों की संख्या में श्याम प्रेमियों ने बाबा के दरबार में पहुंचकर शीश नवाया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर बाबा श्याम के जयकारों से गुंजायमान रहा। खाटू श्याम मंदिर के संस्थापक ऋषि सोलंकी ने बताया कि देवउठनी ग्यारस के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं में बाबा श्याम के दर्शन को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दर्शन किए। बड़ी संख्या में श्याम प्रेमियों ने मंदिर पहुंचकर बाबा के दिव्य दरबार के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया।

# सिंहस्थ 2028: 75 करोड़ की 15 हजार वर्गफीट जमीन कराई अतिक्रमण मुक्त

## नीलगंगा क्षेत्र में चला बुलडोजर, मजारों, मकानों और दुकानों सहित अवैध निर्माण हटाए

**नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः** सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को गति देते हुए पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने उज्जैन रेलवे स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की। संयुक्त अभियान में करीब 15 हजार वर्गफीट रेलवे भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस जमीन की अनुमानित कीमत लगभग 75 करोड़ रुपये बताई गई है। कार्रवाई प्लेटफॉर्म नंबर आठ के बाहर स्टेशन परिसर, नीलगंगा मार्ग, नीलगंगा रेलवे कॉलोनी और सर्कुलेटिंग एरिया में की गई।

रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडेय के अनुसार राजस्व खसरा क्रमांक 1937 और 1938 की संबंधित भूमि जांच और न्यायिक प्रक्रिया में रेलवे की पाई गई थी। उच्च न्यायालय के आदेश और संपदा अधिकारी के बेदखली निर्देशों के बाद यह कार्रवाई की गई। लंबे समय से नोटिस जारी किए जाने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर शनिवार को अभियान चलाया गया।





### सिंहस्थ में यात्री सुविधाओं का होगा विस्तार

सिंहस्थ 2028 के दौरान उज्जैन पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे स्टेशन क्षेत्र में अतिरिक्त स्थान उपलब्ध कराना जरूरी है। अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि का उपयोग यात्री सुविधाओं के विस्तार, आवागमन को सुगम बनाने और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्थाओं के लिए किया जाएगा। रेलवे का मानना है कि इससे सिंहस्थ के दौरान स्टेशन परिसर में यात्रियों की आवाजाही और सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

**मजार, मकान और दुकानें हटाईः** कार्रवाई के दौरान आधा दर्जन मजारों के साथ अवैध रूप से निर्मित मकान, दुकानें और गुमटियां हटाई गईं। बुलडोजर से निर्माण ढहाने के बाद मौके से मलबा भी साफ कराया गया। रेलवे के अनुसार 11 जून 2026 को पारित बेदखली आदेश के पालन में यह कार्रवाई की गई।

**315 अधिकारी-कर्मचारी रहे तैनातः** अभियान के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मौके पर आरपीएफ के असिस्टेंट कमिश्नर राजीव उपाध्याय, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त अमित प्रकाश मिश्रा, वरिष्ठ मंडल अभियंता महेंद्र जाटव और सहायक मंडल अभियंता अखिलेश रघुवंशी सहित रेलवे एवं जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। एसडीएम पवन, तहसीलदार शेफाली जैन और सीएसपी दीपिका शिंदे ने भी कार्रवाई की निगरानी की। अभियान में आरपीएफ के 95, जीआरपी के 50, शहर पुलिस के 70 और रेलवे के लगभग 100 कर्मचारी सहित कुल 315 अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहे। सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

# कोरोना योद्धा अब पहुंचेंगे 230 विधायकों के घर

**नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः** मध्यप्रदेश में कोविड-19 महामारी के दौरान अपनी सेवाएं देने वाले आयुष चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की पुनः बहाली की मांग को लेकर कोरोना योद्धाओं ने प्रदेशव्यापी जनप्रतिनिधि संपर्क अभियान प्रारंभ किया है। इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों के कोरोना योद्धा अपने-अपने क्षेत्र के विधायक, सांसद एवं मंत्रियों के निवास पर पहुंचकर मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के नाम समर्थन पत्र प्राप्त करेंगे।

इस अभियान के तहत मध्यप्रदेश की सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों से संपर्क कर समर्थन पत्र प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही सांसदों एवं मंत्रियों से भी इस मांग के समर्थन में पत्र लिखने का निवेदन किया जाएगा, ताकि आगामी विधानसभा सत्र में कोरोना योद्धाओं की पुनः बहाली का विषय प्रभावी रूप से सदन तक पहुंच सके।

डॉ. अंकित असाटी, प्रदेश संयोजक, मध्य प्रदेश कोविड-19 आयुष चिकित्सक संघ एवं पैरामेडिकल स्टाफ ने बताया कि प्रदेश के सभी कोरोना योद्धा अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के निवास पर जाकर उनसे निवेदन करेंगे कि अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने तथा अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में लंबे समय से रिक्त पड़े चिकित्सा एवं पैरामेडिकल स्टाफ के पदों को भरने के लिए कोरोना योद्धाओं की पुनः बहाली की जाए।

उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान लगभग दो वर्षों तक अपनी सेवाएं देने वाले आयुष चिकित्सकों, स्टाफ नर्स, एएनएम, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन एवं अन्य पैरामेडिकल कर्मचारियों के पास स्वास्थ्य सेवाओं का व्यावहारिक अनुभव है। ऐसे अनुभवी कर्मचारियों की पुनः नियुक्ति से प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती मिल सकती है और ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं की कमी को दूर करने में सहायता मिल सकती है।

उन्होंने आगे कहा कि हमारा प्रयास है कि प्रदेश के सभी 230 विधायक इस विषय से जुड़ें और मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री को समर्थन पत्र लिखकर कोरोना योद्धाओं की पुनः बहाली की मांग सरकार के समक्ष रखें। उल्लेखनीय है कि कोरोना योद्धा 5 अक्टूबर 2026 से भोपाल के नीलम पार्क में अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन कर रहे हैं।

## श्याम नाम के जयकारों से गूंजा खाटू श्याम मंदिर, देर रात तक भजनों में झूमे श्रद्धालु

### देवउठनी एकादशी पर बाबा का भव्य पाटोत्सव

**नईदुनिया प्रतिनिधि, गंजबासौदाः** देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर वार्ड क्रमांक 13 स्थित खाटू श्याम बाबा मंदिर में पाटोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर को आकर्षक विद्युत सजावट और विशेष फूलों से सजाया गया। हिमाचल प्रदेश और बेंगलुरु से मंगाए गए फूलों से बाबा का मनोहारी श्रृंगार किया गया। नीले फूलों से सजे बाबा के दिव्य स्वरूप के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। बाबा को छप्पन भोग अर्पित किया गया।

शाम होते ही मंदिर परिसर श्याम भक्ति के भजनों से गूंज उठा। उत्तराखंड से आईं भजन गायिका दिशु श्यामा और भोपाल के भजन गायक राजवीर ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। बाबा खाटू श्याम की महिमा के साथ हनुमान जी की आराधना और गुरु महिमा से जुड़े भजनों की प्रस्तुतियां भी हुईं। श्याम नाम की धुन पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे।

सर्द हवाओं के बावजूद भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ। रात बढ़ने के साथ ठंड का असर तेज होता गया, लेकिन श्रद्धालु भजन संध्या में डटे रहे। मंदिर परिसर में लगातार बाबा के जयकारे गूंजते रहे और दर्शन के लिए भक्तों की कतारें लगी रहीं।

पाटोत्सव के उपलक्ष्य में शनिवार को मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की। मंदिर के पुजारी पंडित वीरेंद्र दुबे ने बताया कि सुबह से देर रात तक बाबा के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। विशेष पुष्प श्रृंगार, छप्पन भोग, भजन संध्या और भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

## कुबेरेश्वरधाम पर सोमवार को होगा श्री हरि-हर मिलन महोत्सव

**सीहोर।** जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित देश-विदेश में प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम पर कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी के पावन अवसर पर सोमवार को भव्य श्री हरि-हर मिलन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह धार्मिक महोत्सव इस वर्ष भी श्रद्धा, भक्ति और दिव्यता के साथ मनाया जाएगा। आयोजन के अंतर्गत सोमवार शाम 5 बजे भगवान को आकर्षक पालकी में विराजमान कर मंदिर परिसर में सादगी और पारंपरिक चल समारोह निकाला जाएगा। इस दौरान श्रद्धालु शामिल होकर हरि-हर मिलन के साक्षी बनेंगे। अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने बताया कि हरि-हर मिलन की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का विशेष महत्व है।

# जहरीली शराब के खिलाफ आठ जिलों की आबकारी टीमों ने चलाया संयुक्त अभियान

**नईदुनिया प्रतिनिधि,रायसेनः** जिले में अवैध एवं जहरीली शराब के निर्माण, संग्रहण, बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के लिए आबकारी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने सघन अभियान चलाया। आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना के निर्देश और कलेक्टर रोहित सिसोनिया के आदेश पर यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दीपक नायक एवं सहायक आबकारी आयुक्त डॉ. शादाब अहमद सिद्दीकी के मार्गदर्शन में की गई।

अभियान में रायसेन, भोपाल, सीहोर, नर्मदापुरम, विदिशा, सागर और राजगढ़ जिलों की आबकारी टीमों के साथ सिलवानी एसडीओपी तथा सुल्तानगंज और बेगमगंज पुलिस की टीम शामिल रही। संयुक्त दल ने चंदौड़ा, खमरिया, गुलवाड़ा, सागौनी, माला फाटक बेगमगंज, नारायणपुर सहित सागर जिले की सीमा से लगे गांवों में तलाशी और छापेमारी की।

इस दौरान संदिग्ध गांवों में



आबकारी और पुलिस की संयुक्त टीम ने फ्लैग मार्च निकालकर ग्रामीणों को अवैध शराब के कारोबार की सूचना देने के लिए जागरूक किया। ग्रामीणों से अपील की गई कि यदि उनके गांव या आसपास अवैध शराब का निर्माण, बिक्री, संग्रहण अथवा परिवहन हो रहा है तो आबकारी विभाग को सूचित करें।

अभियान के दौरान आबकारी वृत्त बेगमगंज के अपराध क्रमांक 584/2025 में फरार मुख्य आरोपित रुद्र प्रताप सिंह और देवराज की तलाश में चंदौड़ा स्थित उनके आवासों पर भी दबिश दी गई, हालांकि दोनों मौके पर नहीं मिले।

**पहले भी पकड़ी जा चुकी है जहरीली शराब की फैक्ट्रीः** उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष आबकारी विभाग ने ग्राम चंदौड़ा में अवैध शराब निर्माण की फैक्ट्री पकड़ी थी। कार्रवाई में लगभग 470 पेटी शराब जब्त की गई थी, जो एफएसएल जांच में जहरीली पाई गई थी। विभाग के अनुसार समय रहते हुई इस कार्रवाई से बड़ी जनहानि टली थी। अभियान में विभिन्न जिलों के आबकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ पुलिस अधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही।

## शिप्रा को निर्मल बनाने के लिए साधु-संतों ने शुरू की प्रदक्षिणा यात्रा, रामघाट से हुई शुरुआत

**नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः** उज्जैन में मां शिप्रा को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाने के उद्देश्य से शनिवार सुबह रामघाट से संपूर्ण शिप्रा प्रदक्षिणा यात्रा शुरू हुई। त्रिशूल शिवगण वाहिनी के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय यात्रा में बड़ी संख्या में साधु-संत, महंत, महामंडलेश्वर और श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा के माध्यम से शिप्रा के संरक्षण, स्वच्छता और निरंतर प्रवाह का संदेश दिया जा रहा है। इसका समापन 24 नवंबर को रामघाट पर होगा।

यात्रा की शुरुआत शनिवार को रामघाट पर मां शिप्रा के पूजन और संतों के आशीर्वचन के साथ हुई। ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े और आयोजन को आशीर्वाद दिया।

प्रदक्षिणा का पहला पड़ाव देवलघाट, ग्राम बोलासा में



निर्धारित है। यहां से यात्रा ग्राम शिप्रा और दकनाखेड़ी होते हुए नदी के उद्गम स्थल उज्जैनी स्थित केवड़ेश्वर धाम पहुंचेगी। यहां रात्रि विश्राम के बाद अगले चरण में यात्रा गंभीर और चंबल नदी के संगम तक जाएगी। इसके बाद विभिन्न घाटों और धार्मिक स्थलों से गुजरते हुए 24 नवंबर की शाम करीब पांच बजे रामघाट पहुंचेगी।

सिंहस्थ में शिप्रा के जल से स्नान कराने का संकल्प

यात्रा में शामिल संतों ने कहा कि नदियां प्रकृति और जीवन का आधार हैं। मां शिप्रा का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व विशेष है। उनका प्रवाह अविरल बना रहे, ताकि आगामी सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को शिप्रा के जल में स्नान करने का अवसर मिल सके। इसी संकल्प के साथ प्रदक्षिणा यात्रा निकाली जा रही है।

संतों ने बताया कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने भी शिप्रा को स्वच्छ और प्रवाहमान बनाने के प्रयासों में सहभागिता का संदेश दिया है। उन्होंने सरकार से आगामी सिंहस्थ का आयोजन शिप्रा के जल में ही स्नान की व्यवस्था सुनिश्चित करने के संकल्प को पूरा करने की अपील की।

## पशुपतिनाथ महादेव मेले का पाटोत्सव के साथ शुभारंभ

**मंदसौर।** नगर पालिका परिषद की ओर से भगवान पशुपतिनाथ महादेव के 64वें मेले का शुभारंभ सादगीपूर्ण समारोह में किया गया। इस अवसर पर मंदिर का पाटोत्सव भी मनाया गया। मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भगवान पशुपतिनाथ की अष्टमुखी प्रतिमा का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर आरती की गई। इसके बाद संत प्रत्यशानंदजी महाराज और संत मस्तरामजी महाराज की प्रतिमाओं के समक्ष मेले के शुभारंभ और पाटोत्सव का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें मैनपुरिया आश्रम के महंत मणि महेश चैतन्यजी महाराज, कलेक्टर एवं मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष दिव्यांक सिंह, पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया सहित जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने की। महंत मणि महेश चैतन्यजी महाराज ने कहा कि पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर जिले की पहचान है। यहां 64वें मेले का आयोजन प्रसन्नता का विषय है।

## अधिक से अधिक किसानों को रसायन मुक्त खेती के लिए प्रेरित करें: उप संचालक कृषि



**नईदुनिया प्रतिनिधि,रायसेनः** किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र रायसेन के संयुक्त तत्वावधान में जिले की चयनित कृषि सखियों के लिए प्राकृतिक खेती पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि केपी भगत, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. स्वप्निल दुबे, डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी, सहायक संचालक कृषि योगेंद्र शर्मा, जितेंद्र नामदेव और बीटीएम रघुवीर कुशवाह उपस्थित रहे।

उप संचालक केपी भगत ने कृषि सखियों से अधिक से अधिक किसानों को रसायन मुक्त खेती अपनाने के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने बताया कि जिले में पहले ही 25 क्लस्टर के माध्यम से 3125 किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जा चुका है। इसके प्रचार-प्रसार के लिए नौ नए क्लस्टर बनाए जा रहे हैं।

डॉ. स्वप्निल दुबे ने गेहूं और चना की फसलों में घनजीवामृत एवं जीवामृत के उपयोग की विधि और मात्रा की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जीवामृत का निश्चित अंतराल पर सिंचाई और पत्तियों पर छिड़काव करने से फसलों को पोषक तत्व मिलते हैं।

डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी ने बीजामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र और अग्नेयास्त्र जैसे प्राकृतिक कृषि उत्पाद तैयार करने की विधियां बताईं।

**कार्रवाई का इंतजार** तालाब बनाने और खेत समतल करने के नाम पर उत्खनन का आरोप,रॉयल्टी और अनुमति पर उठे सवाल

# एसडीएम-तहसीलदार के आवास के सामने से गुजर रहे ओवरलोड डंपर

**नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदाः** तहसील क्षेत्र में रेलवे और नेशनल हाईवे निर्माण कार्यों की आड़ में पीली मिट्टी, मुरम और कोपरा के उत्खनन एवं परिवहन का कारोबार तेजी से बढ़ने की शिकायतें सामने आ रही हैं। कई स्थानों पर पोकलेन और जेसीबी मशीनों से खुदाई कर डंपरों के माध्यम से मिट्टी निर्माण स्थलों तक पहुंचाई जा रही है। आरोप है कि कहीं सरकारी जमीन तो कहीं किसानों के खेतों से तालाब बनाने और जमीन समतल करने के नाम पर मिट्टी निकाली जा रही है।

हैरानी की बात यह है कि मिट्टी से भरे ओवरलोड डंपर एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार के सरकारी आवासों के सामने से गुजर रहे हैं। इसके





बावजूद अब तक कोई बड़ी कार्रवाई सामने नहीं आई है। एक डंपर मिट्टी की कीमत 3 से 6 हजार रुपये तक बताई जा रही है। प्रतिदिन कई डंपरों के परिवहन से लाखों रुपये के कारोबार की आशंका है। ऐसे में उत्खनन की अनुमति और शासन को मिलने वाली रॉयल्टी को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

**तालाब बनाने के नाम पर मिट्टी का कारोबारः** क्षेत्र में कुछ किसानों को खेत में तालाब बनाने और जमीन समतल करने का प्रस्ताव दिया जा रहा है। इसके बदले उन्हें कुछ राशि देने की बात कही जाती है। आरोप है कि खेत से निकलने वाली मिट्टी डंपरों में भरकर अन्य स्थानों पर बेची जा रही है। सवाल यह है कि तालाब निर्माण के लिए कितनी खुदाई की अनुमति है और क्या मिट्टी का परिवहन स्वीकृत मात्रा के अनुसार हो रहा है?

**सरकारी जमीन से उत्खनन की शिकायतेंः** निजी खेतों के साथ सरकारी जमीन से भी मिट्टी और मुरम निकाले जाने की शिकायतें हैं। यदि सरकारी भूमि से बिना अनुमति उत्खनन हो रहा है तो यह गंभीर मामला है। इसकी जिम्मेदारी राजस्व और खनिज विभाग की है। विभागों को उत्खनन स्थलों, स्वीकृत मात्रा, परिवहन दस्तावेज और रॉयल्टी की जांच करनी चाहिए। ओवरलोड वाहनों पर भी कार्रवाई जरूरी है।

### एसडीएम बोले- मौके पर होगी जांच

एसडीएम सुधीर कुशवाह ने बताया कि अनुमति प्राप्त उत्खनन स्थलों की सूची मंगवाई गई है। जहां भी मिट्टी की खुदाई हो रही है, वहां राजस्व अमले को भेजकर अनुमति संबंधी दस्तावेजों की जांच कराई जाएगी। नियमों के विरुद्ध उत्खनन पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अब देखना होगा कि प्रशासन की जांच में किन स्थानों पर अनियमितताएं सामने आती हैं और जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होती है।